वार्षिक रिपोर्ट 2027

कैलेंडर वर्ष 2027 का सम्पूर्ण फलादेश

श्री अभय शर्मा (काल्पनिक) जी हेतु व्यक्तिगत रिपोर्ट

नाम	अभय शर्मा (काल्पनिक)
जन्म तिथि व समय	12 जुलाई 1992 · 09:45
जन्म स्थान	जयपुर
लग्न · राशि · नक्षत्र	सिंह · वृश्चिक · ज्येष्ठा
लग्न नक्षत्र	पूर्वाफाल्गुनी · चरण 2 (स्वामी शुक्र)
वर्तमान दशा	सूर्य महादशा (2023–2029)
रिपोर्ट तिथि	8 नवम्बर 2026 · प्रातः 10:50

॥ पारस वाणी ॥

parasvani · वैदिक ज्ञान, आधुनिक तकनीक

यह रिपोर्ट खगोलीय Swiss Ephemeris (लाहिरी अयनांश) गणना पर आधारित है

❖ ✦ ❖

जन्म कुंडली — ग्रह स्थिति एवं प्रभाव

कुं ड ली प रि च य

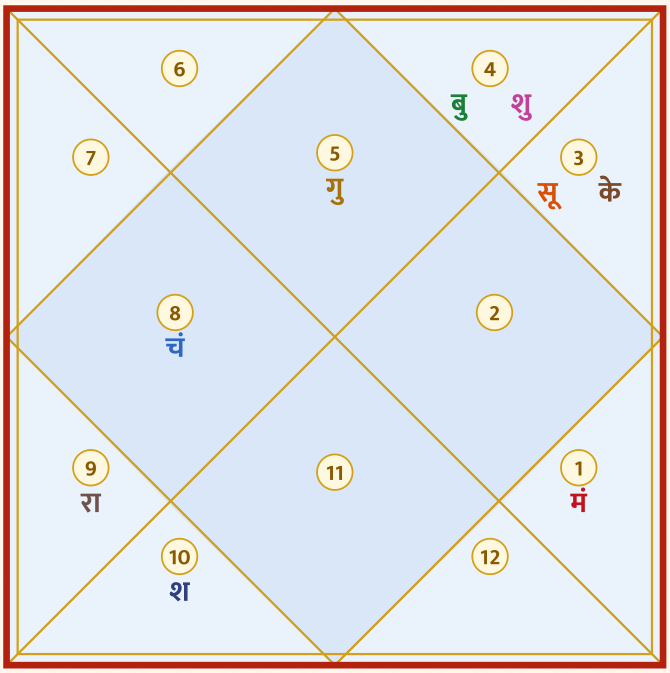

जन्म-कुंडली (उत्तर भारतीय पद्धति) · लाहिरी अयनांश

ग्रह	राशि	भाव	क्षेत्र-प्रभाव
सूर्य	मिथुन	11	आत्मबल व प्रतिष्ठा — लाभ व आय
चंद्र	वृश्चिक	4	मन व भावनाएँ — सुख व माता
मंगल	मेष	9	ऊर्जा व साहस — भाग्य व धर्म
बुध	कर्क	12	बुद्धि व व्यापार — व्यय व अध्यात्म
गुरु	**सिंह**	**1**	**ज्ञान व भाग्य — व्यक्तित्व व स्वास्थ्य**
शुक्र	कर्क	12	सुख व कला — व्यय व अध्यात्म
शनि (वक्री)	मकर	6	कर्म व अनुशासन — सेवा व प्रतिस्पर्धा
राहु (वक्री)	धनु	5	महत्वाकांक्षा व नवाचार — बुद्धि व संतान
केतु (वक्री)	मिथुन	11	अध्यात्म व मोक्ष — लाभ व आय

❖ ✦ ❖

विंशोत्तरी दशा — अंतर्दशा तालिकाएँ

अभी चल रही वअगली महादशा · वर्तमान ◀ चिह्न से

सूर्य महादशा ◀
19/04/2023 – 19/04/2029

अंतर्दशा	से	तक
सूर्य	19/04/2023	07/08/2023
चंद्र	07/08/2023	06/02/2024
मंगल	06/02/2024	12/06/2024
राहु	12/06/2024	07/05/2025
गुरु	07/05/2025	23/02/2026
शनि ◀	**23/02/2026**	**05/02/2027**
बुध	05/02/2027	13/12/2027
केतु	13/12/2027	19/04/2028
शुक्र	19/04/2028	19/04/2029

चंद्र महादशा
19/04/2029 – 19/04/2039

अंतर्दशा	से	तक
चंद्र	19/04/2029	17/02/2030
मंगल	17/02/2030	18/09/2030
राहु	18/09/2030	19/03/2032
गुरु	19/03/2032	19/07/2033
शनि	19/07/2033	17/02/2035
बुध	17/02/2035	19/07/2036
केतु	19/07/2036	17/02/2037
शुक्र	17/02/2037	19/10/2038
सूर्य	19/10/2038	19/04/2039

❖ ✦ ❖

योगिनी दशा — अंतर-योगिनी तालिकाएँ

अभी चल रही वअगली योगिनी · वर्तमान ◀ चिह्न से

भद्रिका योगिनी ◀
स्वामी बुध · 5 वर्ष · 20/08/2024 – 20/08/2029

अंतर-योगिनी	से	तक
भद्रिका	20/08/2024	01/05/2025
उल्का	01/05/2025	01/03/2026
सिद्धा ◀	**01/03/2026**	**19/02/2027**
संकटा	19/02/2027	31/03/2028
मंगला	31/03/2028	21/05/2028
पिंगला	21/05/2028	30/08/2028
धान्या	30/08/2028	30/01/2029
भ्रामरी	30/01/2029	20/08/2029

उल्का योगिनी
स्वामी शनि · 6 वर्ष · 20/08/2029 – 21/08/2035

अंतर-योगिनी	से	तक
उल्का	20/08/2029	21/08/2030
सिद्धा	21/08/2030	21/10/2031
संकटा	21/10/2031	19/02/2033
मंगला	19/02/2033	21/04/2033
पिंगला	21/04/2033	20/08/2033
धान्या	20/08/2033	19/02/2034
भ्रामरी	19/02/2034	21/10/2034
भद्रिका	21/10/2034	21/08/2035

❖ ✦ ❖

2027 का परिचय व समग्र दृष्टि

अ ध्या य 1

अभय शर्मा जी, 2027 आपके जीवन में एक महत्वपूर्ण संक्रमण-वर्ष है — जब एक दशा अपना अंतिम पड़ाव पूरा कर रही है और नई दिशाएँ खुलने की तैयारी हो रही है। यह वर्ष न पूरी तरह सहज है, न पूरी तरह कठिन — बल्कि मेहनत, धैर्य और सतर्कता से आगे बढ़ने का वर्ष है।

दशा का ढाँचा

सूर्य महादशा (अप्रैल 2023 से अप्रैल 2029) चल रही है। 2027 में दो अंतर्दशाएँ बदलेंगी — **फ़रवरी 2027 तक सूर्य–शनि**, फिर **फ़रवरी से दिसम्बर 2027 तक सूर्य–बुध**, और **दिसम्बर 2027 से सूर्य–केतु** आरंभ होगी। यानी 2027 पूरे बारह महीने एक जैसा नहीं रहेगा — तीन अलग-अलग अंतर्दशाओं का स्वाद आएगा।

सूर्य आपकी कुंडली में भाव 11 में (मिथुन, सम राशि) हैं और लग्नेश भी हैं — वेशी योग का हिस्सा। महादशा-नाथ की यह स्थिति लाभ-भाव से जुड़ी है, पर सूर्य की अवस्था मृत है, इसलिए फल क्षीण रूप में मिलेगा — धैर्य रखना होगा।

2027 के बड़े गोचर

दो सबसे महत्वपूर्ण गोचर-परिवर्तन इस वर्ष हैं —

• **गुरु 25 जनवरी 2027 को सिंह से कर्क में प्रवेश करेंगे** (वक्री), फिर 26 जून 2027 को पुनः सिंह में लौटेंगे। कर्क में गुरु आपके भाव 12 में जाएँगे और सिंह में भाव 1 में — यह आगे-पीछे चाल पूरे साल प्रभावी रहेगी।

• **शनि 3 जून 2027 को मीन से मेष में आएँगे** — आपके भाव 8 से भाव 9 में। यह बड़ा परिवर्तन है।

कुंडली की मुख्य शक्तियाँ जो 2027 में सहारा देंगी

आपकी कुंडली में **गजकेसरी योग** (चंद्र से केंद्र में गुरु) और **हर्ष विपरीत राजयोग** (शनि स्वराशि मकर में, भाव 6 में) हैं — ये दोनों इस वर्ष भी पृष्ठभूमि में सक्रिय हैं। गुरु भाव 1 में युवा अवस्था में बलवान हैं — यही आपकी सबसे बड़ी ताक़त है।

मुख्य बातें

• 2027 में तीन अंतर्दशाएँ बदलेंगी — हर एक का रंग अलग

• गुरु और शनि दोनों के बड़े राशि-परिवर्तन इसी वर्ष

• लग्न में गुरु का बल सबसे बड़ा सहारा है

• यह वर्ष परिश्रम से फल देगा, अपने-आप नहीं

॥ शास्त्र-प्रमाण ॥

एकोऽपि ज्ञार्यशुक्राणां लग्नात् केन्द्रगतो यदि ।
अरिष्टं निखिलं हन्ति तिमिरं भास्करो यथा ॥

बुध, गुरु या शुक्र में से एक भी लग्न से केन्द्र में हो, तो वह सारे अरिष्ट को वैसे मिटा देता है जैसे सूर्य अंधकार को।

— बृहत् पाराशर होरा शास्त्र, अध्याय १०

❖ ✦ ❖

2027 का समग्र फल व मुख्य मोड़

अ ध्या य 2

2027 तीन स्पष्ट खंडों में बँटा है — हर खंड का अपना ग्रह-स्वामी, अपना मिज़ाज और अपना काम। इन्हें समझकर चलें तो वर्ष सार्थक बनेगा।

जनवरी–फ़रवरी 2027 — शनि अंतर्दशा का समापन

सूर्य–शनि अंतर्दशा फ़रवरी 2027 तक चलेगी। शनि आपकी कुंडली में भाव 6 में स्वराशि मकर में वक्री हैं — बलवान, पर कुमार अवस्था में। **भाव 6 शत्रु, रोग, ऋण और सेवा का भाव है।** शनि यहाँ हर्ष विपरीत राजयोग बनाते हैं — अर्थात् कठिनाइयों के बाद अप्रत्याशित उन्नति। इन दो महीनों में कार्यक्षेत्र में थकान, ज़िम्मेदारी और दबाव रहेगा, पर शत्रु-पक्ष कमज़ोर पड़ेगा। **जनवरी 2027 में गुरु अभी भाव 1 में हैं** — यह कुछ राहत देगा। 25 जनवरी को गुरु वक्री होकर कर्क (भाव 12) में जाएँगे — इसके बाद अंतर्मन और एकांत की ओर झुकाव बढ़ेगा।

फ़रवरी–दिसम्बर 2027 — सूर्य–बुध अंतर्दशा का मुख्य काल

यह 2027 का सबसे लंबा और निर्णायक खंड है। बुध आपकी कुंडली में भाव 12 में (कर्क, शत्रु राशि) हैं — भाव 11 के भी स्वामी हैं। बुध की अवस्था कुमार है, बल पर्याप्त है। भाव 12 का स्वामी भाव 12 में ही — यह विदेश, एकांत, व्यय और गहन अध्ययन का संकेत देता है।

योगिनी दशा में **भद्रिका** (स्वामी बुध, 2024 से 2029 तक) चल रही है — वाणी, लेखन, व्यापार और बुद्धि-कार्यों में गति का संकेत। **विंशोत्तरी और योगिनी दोनों में बुध का ज़ोर** इस खंड में एक साथ है — यह दुर्लभ स्थिति है जो बौद्धिक काम, लेखन, शिक्षा या व्यापार में प्रगति की ओर इशारा करती है।

26 जून 2027 को गुरु पुनः सिंह (भाव 1) में लौटेंगे — यह इस खंड का सबसे बड़ा शुभ परिवर्तन है। उसके बाद करियर, स्वास्थ्य और

आत्मविश्वास में सुधार का स्पष्ट अनुभव होगा।

3 जून 2027 से शनि मेष (भाव 9) में आएँगे — भाव 9 भाग्य, धर्म और गुरु का भाव है। शनि यहाँ शत्रु राशि में होंगे, पर भाव 9 में उनकी दृष्टि भाव 11 (लाभ), भाव 12 (व्यय) और भाव 6 पर पड़ेगी। **जून 2027 के बाद भाग्य-क्षेत्र में थोड़ी सुस्ती आ सकती है — धैर्य रखिए, जल्दबाज़ी में कोई बड़ा निर्णय न लें।**

दिसम्बर 2027 — सूर्य–केतु अंतर्दशा का आरंभ

दिसम्बर 2027 के अंत में केतु की अंतर्दशा आएगी। केतु आपकी कुंडली में भाव 11 में (मिथुन) हैं। यह अंतर्दशा अप्रैल 2028 तक चलेगी — वर्ष के अंतिम सप्ताहों में मन थोड़ा भीतर की ओर मुड़ेगा, वैराग्य और चिंतन बढ़ेगा। यह समय बड़े निर्णय लेने का नहीं, बल्कि अगले चरण की तैयारी करने का है।

वर्ष के दो सबसे बड़े मोड़

• **फ़रवरी 2027** — शनि से बुध अंतर्दशा का परिवर्तन; बौद्धिक व व्यावसायिक क्षेत्र में नई गति आरंभ।
• **जून 2027** — गुरु का सिंह (भाव 1) में लौटना और शनि का मेष (भाव 9) में प्रवेश; एक साथ दो बड़े परिवर्तन, जो वर्ष का सबसे निर्णायक मोड़ बनेंगे।

मुख्य बातें

• **फ़रवरी 2027** से बौद्धिक व संचार-क्षेत्र में नया अध्याय
• **जनवरी–जून 2027** तक धैर्य व परिश्रम — फल देर से, पर मिलेगा
• **जून 2027 के बाद** गुरु का भाव 1 में लौटना सबसे बड़ी राहत
• शनि का भाव 9 में आना भाग्य-क्षेत्र में सावधानी माँगता है — जून 2027 के बाद बड़े जोखिम टालिए
• दिसम्बर 2027 से वर्ष के अंत तक आत्म-चिंतन और तैयारी का समय

❖ ✦ ❖

करियर, व्यवसाय व धन — 2027

अ ध्या य 3

अभय शर्मा जी, 2027 करियर के लिए एक पड़ाव का वर्ष है — जहाँ पुरानी नींव परखी जाएगी और नई दिशा का रास्ता खुलेगा। **फ़रवरी 2027 तक शनि अंतर्दशा और उसके बाद बुध अंतर्दशा** — यह बदलाव इस वर्ष की असली धुरी है।

जनवरी–फ़रवरी 2027 — शनि का अंतिम दौर

शनि आपकी कुंडली में छठे भाव में स्वराशि मकर में वक्री बैठे हैं — यह हर्ष विपरीत राजयोग का हिस्सा है, जो कठिनाई के बाद अप्रत्याशित उन्नति देता है। शनि अंतर्दशा (फ़रवरी 2026 से फ़रवरी 2027 तक) के इस अंतिम चरण में काम में दबाव, वरिष्ठों से मतभेद या किसी पुरानी ज़िम्मेदारी का बोझ हो सकता है। पर धैर्य रखिए — **यह दौर 6 फ़रवरी 2027 को समाप्त होगा।** शनि का रत्न नीलम इस कुंडली के लिए मना है, इसलिए उपाय में उलझिए मत; बस नियमित दिनचर्या व समय की पाबंदी ही शनि का सबसे बड़ा उपाय है।

फ़रवरी–दिसम्बर 2027 — बुध अंतर्दशा और नई गति

6 फ़रवरी 2027 से बुध अंतर्दशा आरंभ होगी और दिसम्बर 2027 तक चलेगी। बुध आपके दूसरे और ग्यारहवें भाव के स्वामी हैं — धन और लाभ दोनों के। योगिनी दशा भद्रिका (बुध-स्वामी) भी 2029 तक चल रही है — इसलिए इस अंतर्दशा में दोनों पद्धतियाँ एक ही दिशा दे रही हैं और यह **संकेत प्रबल** है। वाणी, लेखन, संचार, व्यापार, शिक्षा या डिजिटल कार्यक्षेत्र से जुड़े किसी काम में इस अवधि में गति आ सकती है। नई परियोजना, नया साझेदार या आय का नया ज़रिया — **मार्च से जून 2027 के बीच** कोई ठोस अवसर सामने आ सकता है।

ध्यान रखें: बुध आपके बारहवें भाव में शत्रु राशि में बैठे हैं, इसलिए फल देर से और प्रयास के बाद मिलेगा — तत्काल चमत्कार की उम्मीद न रखें।

गुरु गोचर — सबसे बड़ा बदलाव

25 जनवरी 2027 को गुरु वक्री होकर कर्क राशि में आएँगे — यह आपके बारहवें भाव का गोचर होगा। गुरु कर्क में उच्च के होते हैं, पर बारहवाँ भाव व्यय और एकांत का है। इस दौरान बड़े खर्चे हो सकते हैं, कोई बाहरी यात्रा या पुनर्विचार का दौर आ सकता है। **26 जून 2027 को गुरु पुनः सिंह राशि में — आपके पहले भाव में — आ जाएँगे।** यह आपके लग्न का गोचर होगा और तब से वर्ष के अंत तक आत्मविश्वास व पहचान में वृद्धि होगी। दशमांश (D10) में गुरु बारहवें भाव में हैं, इसलिए करियर का फल सतह पर नहीं दिखेगा — भीतर से तैयारी होगी, जो बाद में फलेगी।

धन — सावधानी व अवसर

दसवें भाव के शोधित अष्टकवर्ग बिंदु केवल 3 हैं — यह दर्शाता है कि करियर में गोचर का शुभ फल बहुत सहज नहीं मिलेगा, अतिरिक्त प्रयास चाहिए। **जनवरी–जून 2027 में बड़ा निवेश या उधार देने से बचें।** ग्यारहवें भाव पर भी शोधित बिंदु 3 ही हैं — लाभ प्रयास के बाद ही आएगा। माणिक (सूर्य का रत्न, आपका जीवन-रत्न भी) पहले से धारण करें तो महादशानाथ सूर्य को बल मिलेगा।

मुख्य बातें

• 6 फ़रवरी 2027 तक धैर्य रखें — शनि अंतर्दशा का दबाव उसी दिन समाप्त होगा।

• फ़रवरी से बुध अंतर्दशा — वाणी, व्यापार व लाभ का समय; मार्च–जून सबसे सक्रिय।
• जनवरी–जून में बड़ा खर्च, निवेश व उधार सँभालकर करें।
• जून 2027 के बाद गुरु का लग्न-गोचर — आत्मविश्वास व पहचान बढ़ेगी।
• फल प्रयास के बाद मिलेगा — तैयारी अभी से रखें।

❖ ✦ ❖

परिवार, संबंध व दाम्पत्य — 2027

अ ध्या य 4

रिश्तों के लिए 2027 एक मिश्रित वर्ष है — कुछ महीने गर्म और आत्मीय, कुछ महीने धैर्य माँगने वाले। **सप्तम भाव के शोधित बिंदु केवल 3 हैं** — यह बताता है कि संबंधों में गोचर का शुभ फल सहजता से नहीं मिलेगा, सचेत प्रयास चाहिए।

दाम्पत्य — राहु का सप्तम पर गोचर और उसके बाद

आज की स्थिति में राहु सप्तम भाव पर दृष्टि डाल रहे हैं — इससे संबंध में उलझन या अपेक्षाओं का मेल न बैठना हो सकता है। **5 दिसम्बर 2026 को राहु कुम्भ से मकर में आएँगे** — तब से यह दबाव कम होगा। 2027 में राहु मकर (छठे भाव) में रहेंगे और केतु कर्क (बारहवें भाव) में — सप्तम पर सीधी दृष्टि नहीं रहेगी, जो राहत की बात है।

सप्तमेश शनि छठे भाव में बैठे हैं — यह दर्शाता है कि जीवनसाथी या साझेदार के साथ कभी-कभी व्यावहारिक मतभेद या तनाव उठ सकता है। पर गुरु की सप्तम पर दृष्टि (जन्म-कुंडली में) इस भाव को सँभाले रखती है। **फ़रवरी 2027 के बाद बुध अंतर्दशा में संवाद और समझ बेहतर होगी** — बात खुलकर करने की आदत इस दौर में सबसे बड़ा उपाय है।

परिवार — चौथे भाव की ताक़त

आपके चौथे भाव के शोधित बिंदु 15 हैं — यह इस कुंडली के सबसे बलवान भावों में से एक है। घर, माता और पारिवारिक सुख का यह भाव मज़बूत है। **2027 में घर या परिवार से जुड़ी कोई शुभ बात — मकान, नवीनीकरण, या पारिवारिक आयोजन — मार्च से जून के बीच हो सकती है।** चौथे भाव का स्वामी मंगल नवम भाव में स्वराशि मेष में बैठा है — यह घर-सुख और भाग्य का जोड़ है।

माता के स्वास्थ्य व सुख पर ध्यान रखें — चंद्र चौथे भाव में नीच का है, इसलिए माता के मन या स्वास्थ्य से संबंधित कोई बात आए तो उसे अनदेखा न करें।

मित्र, भाई-बहन व सामाजिक संबंध

तृतीय भाव पर मंगल की दृष्टि है — भाई-बहन या मित्रों के साथ कभी-कभी वाद-विवाद हो सकता है, पर मंगल स्वराशि में बलवान है इसलिए अंत में सुलह होती है। **शनि का तृतीय पर गोचर-दृष्टि** (3 जून 2027 तक मीन से) भाई-बहन के साथ किसी ज़िम्मेदारी या बोझ

का संकेत दे सकती है। **जून 2027 के बाद शनि मेष में आएँगे** — तब से इस क्षेत्र में थोड़ी हल्कापन आएगा।

विवाह अभी नहीं हुआ हो तो

यदि विवाह अभी नहीं हुआ है — तो 2027 में गुरु का पहले भाव में गोचर (जून से) एक अच्छा समय है विचार करने का। पर सप्तम के कम बिंदु और सप्तमेश शनि की स्थिति को देखते हुए **जल्दबाज़ी उचित नहीं** — परिचय और समझ के लिए पर्याप्त समय लें।

मुख्य बातें

- दिसम्बर 2026 के बाद राहु का सप्तम-दबाव हटेगा — संबंध में राहत आएगी।
- फ़रवरी 2027 से बुध अंतर्दशा — संवाद बेहतर होगा, खुलकर बात करें।
- चौथे भाव की ताक़त — घर व परिवार-सुख मज़बूत, मार्च–जून शुभ।
- माता के स्वास्थ्य व मन पर ध्यान रखें।
- जून 2027 के बाद सामाजिक संबंधों में हल्कापन आएगा।

❖ ✦ ❖

स्वास्थ्य व मन — 2027

अ ध्या य 5

अभय शर्मा जी, स्वास्थ्य के लिए 2027 में सबसे अधिक ध्यान **जनवरी से जून** के बीच देना होगा। उसके बाद स्थिति सँभलती है।

मन — चंद्र और उसकी चुनौती

चंद्र आपके चौथे भाव में नीच के हैं और बाल अवस्था में — मन की एकाग्रता, नींद की गुणवत्ता और भावनात्मक स्थिरता पर असर पड़ सकता है। **शनि का पाँचवें भाव पर गोचर** (चंद्र राशि से — मीन से) 3 जून 2027 तक रहेगा — इस दौरान मन में अनावश्यक चिंता या अकेलापन महसूस हो सकता है। सोने और जागने का समय पक्का रखना — यही इस दौर में मन का सबसे बड़ा उपाय है।

शरीर — किन महीनों में सावधानी

मंगल जनवरी 2027 में वक्री होंगे (10 जनवरी 2027 से) और मार्च 2027 तक कर्क राशि में रहेंगे — यह आपके बारहवें भाव का गोचर है। **जनवरी–मार्च 2027 में पेट, छाती व रक्त से जुड़े किसी लक्षण को अनदेखा न करें — एक सामान्य जाँच करा लेना उचित रहेगा।** मंगल की दृष्टि बारहवें भाव पर जन्म-कुंडली में पहले से है, इसलिए यह संवेदनशील क्षेत्र है।

26 अप्रैल 2027 को मंगल सिंह राशि में — आपके पहले भाव में — आएँगे। तब से ऊर्जा बेहतर होगी और शरीर में स्फूर्ति लौटेगी।

गुरु गोचर और स्वास्थ्य पर असर

25 जनवरी 2027 से गुरु कर्क (बारहवाँ भाव) में — यह व्यय, नींद और एकांत का भाव है। इस दौरान थकान या कोई पुरानी तकलीफ़ उभर सकती है। पर गुरु कर्क में उच्च के हैं और आपके पहले व पाँचवें भाव के स्वामी हैं — इसलिए यह समय भीतरी सफ़ाई और आत्म-देखभाल का भी है। **26 जून 2027 के बाद गुरु सिंह (पहला भाव) में आएँगे — तब से स्वास्थ्य व ऊर्जा में सुधार स्पष्ट होगा।**

दिनचर्या — यही असली उपाय

आपकी कुंडली में गजकेसरी योग है (चंद्र से केंद्र में गुरु) — यह मन और शरीर दोनों को सँभालने की भीतरी शक्ति देता है। इस शक्ति को जगाने के लिए:

- रोज़ सुबह 20–30 मिनट शारीरिक श्रम या तेज़ चाल — मंगल की ऊर्जा को सही दिशा देना
- रात को सोने का समय पक्का — चंद्र का सबसे सरल उपाय
- सोमवार को शिव-जलाभिषेक — चंद्र के लिए, श्रद्धा से

मुख्य बातें

- जनवरी–मार्च 2027 में पेट व रक्त से जुड़ी एक सामान्य जाँच करा लें।
- जनवरी–जून तक मन में चिंता का दबाव — नींद व दिनचर्या पक्की रखें।
- अप्रैल 2027 के अंत से ऊर्जा में सुधार आरंभ होगा।
- जून 2027 के बाद गुरु का लग्न-गोचर — स्वास्थ्य व मन दोनों सँभलेंगे।
- गजकेसरी योग की भीतरी शक्ति को नियमित दिनचर्या से जगाएँ।

❖ ✦ ❖

2027 के शुभ व सावधानी वाले महीने

अ ध्या य 6

2027 में तीन बड़े बदलाव — अंतर्दशा का परिवर्तन (फ़रवरी), गुरु का कर्क में प्रवेश (25 जनवरी), और शनि का मेष में जाना (3 जून) — इस वर्ष को स्पष्ट रूप से दो हिस्सों में बाँटते हैं। पहला आधा परीक्षा का, दूसरा धीरे-धीरे खुलने का।

जनवरी–फ़रवरी — शनि का विदाई-दौर, सँभलकर चलें

यह अवधि सूर्य महादशा–शनि अंतर्दशा का समापन है (फ़रवरी 2027 तक)। शनि आपके सप्तम भाव के स्वामी हैं और छठे भाव में बैठे हैं

— इस अंतर्दशा में काम का बोझ, लंबित मामले और रिश्तों में कुछ खिंचाव बना रहेगा। गोचर में गुरु 25 जनवरी को आपके जन्म-लग्न (सिंह) से चंद्र राशि वृश्चिक की ओर बढ़ते हुए कर्क में आएँगे — यह परिवर्तन बड़ा है। इन दो महीनों में **बड़े वित्तीय निर्णय, नया अनुबंध या साझेदारी टालें**; पेट, जोड़ों और थकान पर ध्यान दें।

मार्च–मई — बुध अंतर्दशा का उठान

फ़रवरी 2027 से सूर्य–बुध अंतर्दशा आरंभ होगी (दिसम्बर 2027 तक)। बुध आपके ग्यारहवें और दूसरे भाव के स्वामी हैं — वाणी, लेखन, नेटवर्क और आमदनी इनके कारकत्व हैं। हालाँकि बुध जन्म में बारहवें भाव में शत्रु राशि में हैं और कुमार अवस्था में, इसलिए फल धीरे-धीरे आएगा, पर **मार्च से मई के बीच संवाद, प्रस्तुति और नए संपर्क बनाने का काम आगे बढ़ाएँ**। योगिनी दशा में भद्रिका (बुध) भी 2029 तक चल रही है — दोनों बुध को इशारा कर रहे हैं, इसलिए यह क्षेत्र इस वर्ष महत्वपूर्ण रहेगा। 10 मार्च को मंगल वक्री होकर कर्क में लौटेंगे — उस समय यात्रा व शारीरिक श्रम में सावधानी बरतें।

जून–अगस्त — शनि का मेष में प्रवेश, नई ज़मीन

3 जून 2027 को शनि मेष राशि में आएँगे — आपकी जन्म-कुंडली के नवम भाव में, जहाँ मंगल स्वराशि में बैठे हैं। नवम भाव भाग्य, उच्च शिक्षा और दूरस्थ संबंधों का है; इसके शोधित अष्टकवर्ग बिंदु 13 हैं — **यह सबसे बलवान भाव है और शनि का यहाँ आना एक लंबी साधना का फल देने वाला समय बन सकता है।** जून से भाग्य का पहिया थोड़ा आगे घूमेगा। साथ में 26 जून को गुरु सिंह (लग्न) में वापस आएँगे — गजकेसरी योग फिर सक्रिय होगा। **जुलाई–अगस्त आपके लिए इस वर्ष के सबसे अनुकूल महीने हैं** — करियर, मान-सम्मान और आत्मविश्वास में सुधार दिखेगा।

सितम्बर–दिसम्बर — केतु अंतर्दशा की दस्तक, मन भीतर की ओर

दिसम्बर 2027 से सूर्य–केतु अंतर्दशा आएगी। केतु आपके ग्यारहवें भाव में हैं। यह दौर शांत रहेगा — बाहर की दौड़ कम, भीतर की स्पष्टता अधिक। अक्टूबर 2027 में शनि वक्री होकर मीन में लौटेंगे — उस समय पुराने मामले फिर सामने आ सकते हैं; **उन्हें सुलझाएँ, टालें नहीं।** नवम्बर के अंत में गुरु कन्या में जाएँगे — आपके दूसरे भाव में, जो धन व परिवार का है।

मुख्य बातें

- **सबसे सावधान:** जनवरी–फ़रवरी (शनि अंतर्दशा का अंत) और अक्टूबर (शनि वक्री)
- **सबसे अनुकूल:** जुलाई–अगस्त 2027 — गुरु लग्न में, शनि नवम में
- **करियर-संवाद के लिए:** मार्च–मई, बुध अंतर्दशा का उठान
- **जून से भाग्य का रंग बदलेगा** — शनि का नवम में प्रवेश और गुरु का सिंह में वापसी
- **दिसम्बर से मन को एकांत व ध्यान की ओर ले जाएँ** — केतु अंतर्दशा की तैयारी करें

❖ ✦ ❖

2027 हेतु उपाय व मार्गदर्शन

अ ध्या य 7

इस वर्ष तीन ग्रह मुख्य भूमिका में हैं — सूर्य (महादशा-नाथ), बुध (फ़रवरी से अंतर्दशा), और गुरु (लग्न में बैठे, कुंडली के सबसे बलवान ग्रह)। उपाय इन्हीं तीन के इर्द-गिर्द रहेंगे।

सूर्य — महादशा-नाथ, पर मृत अवस्था में

सूर्य आपके लग्नेश हैं और ग्यारहवें भाव में बैठे हैं — वेशी योग में भागीदार। पर अवस्था मृत है, इसलिए उनका फल दबा हुआ है। उन्हें जगाना ज़रूरी है।

जीएँ सूर्य के साथ: सूर्योदय के समय उठना, 15–20 मिनट धूप में रहना, रीढ़ सीधी रखने वाला व्यायाम — ये सबसे बड़े उपाय हैं। जहाँ आप नेतृत्व की भूमिका में हों — घर, काम या समाज में — वहाँ सामने खड़े होने की आदत बनाएँ; यही सूर्य को बल देता है।

माणिक धारण करें: यह आपका जीवन-रत्न भी है और इस समय की दशा का रत्न भी — दोनों इशारे एक ही दिशा में हैं। कौस्तुभ जेम्स (koustubhgems.com) से प्रमाणित माणिक ले सकते हैं; रविवार को धारण करें।

बुध — अंतर्दशा-नाथ, फ़रवरी से

बुध की अंतर्दशा फ़रवरी 2027 से आएगी। बुध कुमार अवस्था में हैं — फल बनता हुआ है, पक्का नहीं।

जीएँ बुध के साथ: रोज़ थोड़ा पढ़ना-लिखना, किसी विचार को व्यवस्थित करके काग़ज़ पर उतारना, और सच्ची वाणी — ये बुध के सबसे बड़े उपाय हैं। झूठ और अतिशयोक्ति से बचना बुध को सीधे बल देता है। बुधवार को गणेश उपासना करें — श्रद्धा से करने पर मन को स्थिरता मिल सकती है।

गुरु — कुंडली का सबसे बलवान ग्रह, युवा अवस्था में

गुरु लग्न में बैठे हैं, युवा अवस्था में, और गजकेसरी योग में भागीदार हैं — यह आपकी सबसे बड़ी शक्ति है। गुरु पंचम और अष्टम दोनों भावों के स्वामी भी हैं।

जीएँ गुरु के साथ: किसी से सीखना और किसी को सिखाना — दोनों एक साथ चलाएँ। भोजन और वाणी में संयम गुरु को सबसे अधिक प्रसन्न करता है। गुरुवार को विष्णु सहस्रनाम पाठ करें।

मुख्य बातें

- **पहला उपाय दिनचर्या में है** — सूर्योदय पर उठना, धूप, व्यायाम, सच्ची वाणी
- **माणिक इस वर्ष विशेष रूप से उपयुक्त है** — जीवन-रत्न भी, दशा-रत्न भी; रविवार को धारण करें
- **बुध अंतर्दशा के लिए फ़रवरी से पहले तैयारी करें** — लेखन, संवाद व नेटवर्क सँवारें
- **मोती, नीलम और हीरा इस कुंडली के लिए मना हैं** — कोई सुझाए तो मत पहनें
- **गुरु की शक्ति को बाँटने से बढ़ाएँ** — सिखाना, देना, सेवा — यही 2027 का सबसे बड़ा धर्म है

अंत में — आपके लिए

अभय शर्मा जी, इस पूरी रिपोर्ट को एक पंक्ति में कहें तो — 2027 मेहनत और मोड़ दोनों का वर्ष है। जनवरी से जून तक जो धैर्य आप रखेंगे, जुलाई–अगस्त उसका हिसाब चुकाएँगे; बुध अंतर्दशा आपकी वाणी और बुद्धि को सामने लाने का मौक़ा है, और गुरु की युवा अवस्था बताती है कि आपकी सबसे बड़ी शक्ति अभी पूरी तरह खुली भी नहीं है। सूर्योदय पर उठिए, सच बोलिए, और जो जानते हैं उसे किसी को सिखाइए — बस इतना काफ़ी है।

आप 34 वर्ष की उस उम्र में हैं जहाँ नींव अभी बन रही है और छत अभी बाक़ी है — यही सबसे अच्छा समय है, क्योंकि अब जो बनेगा वह टिकेगा। कुंडली कह रही है कि आपके पास गजकेसरी का यश और हर्ष राजयोग की जीत दोनों हैं — बस इन्हें थोड़ा समय और थोड़ा अनुशासन चाहिए। ईश्वर आपको बल दे, और 2027 आपके जीवन में एक नई और सुंदर शुरुआत का वर्ष बने।

॥ ॐ शुभम् ॥

❖ ParasVani · पारस वाणी ❖ वार्षिक रिपोर्ट 2027 ❖ अभय शर्मा (काल्पनिक) ❖

यह AI-सहायित वैदिक विश्लेषण मार्गदर्शन हेतु है — निर्णय अपने विवेक से लें।